

अस्थायी पदे पुढे चालू ठेवण्यास मुदतवाढ
देणेबाबत -
जिल्हा व सत्र न्यायालय वाशिम,
दिनांक १ मार्च, २०२१ ते ३१ ऑगस्ट, २०२१
या कालावधीसाठी..

महाराष्ट्र शासन
विधि व न्याय विभाग
शासन निर्णय क्रमांक: पदनि २०२१/प्र.क्र.४३/का.१२
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.
तारीख: ०२ मार्च, २०२१

वाचा-

- १ शासन निर्णय विधि व न्याय विभाग क्रमांक: एचसीटी १००२/१२८९/(१६२)/नऊ / चार,
दिनांक ०८.०९.२००३
- २ शासन निर्णय वित्त विभाग क्रमांक: पदनि २०१६/प्र.क्र.८/१६/आ.पु.क.,
दिनांक १५ फेब्रुवारी, २०२१
- ३ शासन निर्णय विधि व न्याय विभाग क्रमांक: पदनि २०२०/प्र.क्र.३६/का.१२,
दिनांक ११ सप्टेंबर, २०२०
- ४ प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, जिल्हा व सत्र न्यायालय वाशिम यांचे पत्र क्रमांक जा.क्र./
आस्था/३८७/२०२१, दिनांक ०२ फेब्रुवारी, २०२१

शासन निर्णय-

संदर्भाधीन दिनांक ११ सप्टेंबर, २०२० रोजीच्या शासन निर्णयान्वये जिल्हा व सत्र न्यायालय वाशिम यांच्या आस्थापनेवरील ९२ अस्थायी पदांना दिनांक २८ फेब्रुवारी, २०२१ पर्यंत मुदतवाढ देण्यात आली आहे. संबंधित न्यायालयांचे कामकाज सुरळीत सुरु राहण्यासाठी खाली दर्शविलेल्या तक्त्यात नमूद केल्यानुसार ९२ अस्थायी पदांना दिनांक ०१ मार्च, २०२१ ते ३१ ऑगस्ट, २०२१ या कालावधीसाठी मुदतवाढ देण्यात येत आहे.

| अ.क्र. | पदनाम | दिनांक २८.०२.२०२१ पर्यंत मुदतवाढ दिलेली पदे | दिनांक ०१.०३.२०२० ते २८.०२.२०२१ या कालावधीत नव्याने निर्माण केलेली पदे | पदनिर्मितीचा शासन निर्णय क्रमांक व दिनांक | दिनांक ०१.०३.२०२१ पासून ३१.०८.२०२१ पर्यंत मुदतवाढ द्यावयाची पदे |
|--------|-------------------|--|--|--|--|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| १ | प्रबंधक | १ | -- | -- | १ |
| २ | अधिक्षक | २ | | | २ |
| ३ | सहायक अधिक्षक | ७ | | | ७ |
| ४ | लघुलेखक उ.श्रे. | १ | | | १ |
| ५ | लघुलेखक नि.श्रे. | ७ | | | ७ |
| ६ | वरिष्ठ लिपिक | १४ | | | १४ |
| ७ | कनिष्ठ लिपिक | २१ | | | २१ |
| ८ | मुख्य बेलिफ | २ | | | २ |
| ९ | बेलिफ | ८ | | | ८ |
| १० | वाहन चालक | २ | | | २ |
| ११ | नाईक | १ | | | १ |
| १२ | उदकी | १ | | | १ |
| १३ | सफाईगार | ६ | | | ६ |
| १४ | पहारेकरी नि शिपाई | २ | | | २ |
| १५ | पहारेकरी | ३ | | | ३ |
| १६ | माळी | १ | | | १ |
| १७ | शिपाई | १३ | | | १३ |
| | एकूण | ९२ | | | ९२ |

२. विधि व न्याय विभाग कार्यासन ९ यांचेकडून मुदतवाढ मिळणारी पदे या शासन निर्णयातून वगळली आहेत.

३. यासाठी येणारा खर्च "२०१४-न्यायदान" या मुख्य लेखाशीर्षाखाली "१०५ (दोन) जिल्हा व सत्र न्यायाधिश", "१०५-(तीन) दिवाणी न्यायाधिश" व "१०८ फौजदारी न्यायालये" यांपैकी योग्य त्या लेखाशीर्षाखाली खर्ची टाकण्यात यावा व त्या लेखाशीर्षाखालील संबंधित वित्तिय वर्षासाठी मंजूर अनुदानातून भागविण्यात यावा.

४. सदर शासन निर्णय, वित्त विभाग, शासन निर्णय क्रमांक विअप्र २०१३/प्र.क्र.३०/ २०१३/ विनियम, भाग-२, दिनांक १७ एप्रिल, २०१५ नुसार वित्तिय अधिकार नियम पुस्तिका, १९७८ भाग पहिला, उपविभाग तीन मधील अ.क्र. ४ चा परिच्छेद क्र. २७(२) (क) अन्वये तसेच, वित्त विभागाच्या शासन निर्णय क्रमांक पदनि २०१६/प्र.क्र.८/१६/आ.पु.क., दिनांक १५ फेब्रुवारी, २०२१ अन्वये प्रशासकीय विभागांना प्रदान केलेल्या अधिकारांन्वये निर्गमित करण्यात येत आहे.

५. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२१०३०२१२४३१३६७१२ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

(भाग्यश्री भाईडकर)

कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. महाप्रबंधक, मा.उच्च न्यायालय मुंबई,
२. प्रबंधक (निरीक्षणे-१), मा.उच्च न्यायालय मुंबई,
३. प्रबंधक, मा.उच्च न्यायालय मुंबई, खंडपीठ नागपूर, औरंगाबाद
४. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता)-एक, महाराष्ट्र मुंबई,
५. महालेखापाल (लेखापरीक्षा) एक, महाराष्ट्र मुंबई,
६. महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता) दोन, महाराष्ट्र नागपूर,
७. महालेखापाल (लेखापरीक्षा) दोन, महाराष्ट्र नागपूर,
८. सह सचिव, विधि व न्याय विभाग, नागपूर, औरंगाबाद,
९. प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, वाशिम,
१०. जिल्हा कोषागार अधिकारी, वाशिम,
११. उप कोषागार अधिकारी, वाशिम,
१२. वित्त विभाग, आ.पु.क., व्यय-५, अर्थसंकल्प ११, मंत्रालय, मुंबई
१३. विधि व न्याय विभाग, कार्यासन २३ व २४,
१४. निवडनस्ती (का.१२).